भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 401
गुरूवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक)

बढ़ती बेरोजगारी दर

401 डा. जॉन ब्रिटास:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान बेरोजगारी दर का तिमाही-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले पांच वर्षो के दौरान एमएसएमई क्षेत्र में नियोजित व्यक्तियों की कुल संख्या का वर्ष-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने युवा स्नातकों के बीच बढ़ते बेरोजगारी संकट पर ध्यान दिया है, जैसा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और इन्स्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट द्वारा हाल ही में जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया है;

(घ) क्या यह सच है कि जून 2024 में बेरोजगारी दर बढ़कर आठ महीने के उच्चतम स्तर 9.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है; और

(ङ) यदि हां, तो बढ़ती बेरोजगारी को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करंदलाजे)

(क) से (ङ.): रोजगार एवं बेरोजगारी के आंकड़े, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से एकत्रित किए जाते हैं, जो 2017-18 से, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन (एमओएसपीआई) के माध्यम से आयोजित की जाती है। सर्वेक्षण अवधि हरेक वर्ष, जुलाई से जून, तक है।

न्यूनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, सामान्य स्थिति में, अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) 15 वर्षों और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए 2020-21, 2021-22 तथा 2022-23 के दौरान, क्रमशः 4.2%, 4.1% तथा 3.2% था। आंकड़ां यह इंगित करता है कि, देश में, बेरोजगारी दर, पिछले कुछ वर्षों में, गिरावट की प्रवृत्ति रही है।

11.12.2023 को, उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर दर्ज की गई कुल रोजगार (01.07.2020 से 11.12.2023 के आरंभ से) 14.35 करोड़ है। राज्यवार/केंद्र शासित प्रदेश वार ब्यौर, अनुलग्नक के साथ संलग्न है।

भारत रोजगार रिपोर्ट 2024, जो मानव विकास के लिए संस्थान (आईएचडी) द्वारा तैयार किया गया है, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, की साझेदारी में दो आंकड़ों के समूहों पर आधारित है; 2000 और 2012 के लिए रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण (ईयूएस) तथा 2018 से 2022 तक के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस)।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, "कर्मचारियों की संख्या में परिवर्तन तथा रोजगार", पीएलएफएस सर्वेक्षण, विभिन्न नमूनाकरण ढांचों पर आधारित और विभिन्न विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का इस्तेमाल करता है, रोजगार के एनएसएसओ सर्वेक्षण को देखें (कन्नन और खान 2022)। इसके कारण रोजगार और बेरोजगारी पर समय श्रृंखला आंकड़ा जो, एनएसएसओ के द्वारा उपलब्ध है, वह पीएलएफएस आंकड़ा के साथ तुलनीय नहीं है।

न्यूनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर), सामान्य स्थिति में, 2018-19 से 2022-23 वर्षों के दौरान 15-29 वर्षों की आयु वाले युवाओं के लिए, निम्नानुसार है:

वर्ष	यूआर
2018-19	17.3
2019-20	15.0
2020-21	12.9
2021-22	12.4
2022-23	10.0

स्रोतः पीएलएफएस

के.एल.ई.एम.एस (के: पूंजी, एल: मजदूरी, ई: ऊर्जा, एम: सामग्रीयाँ और एस: सेवाएँ) आरबीआई द्वारा प्रकाशित डेटाबेस अखिल भारतीय स्तर पर, रोजगार अनुमानों को प्रदान करता है। डेटाबेस की न्यूनतम आंकड़ें के अनुसार, 2017-18 में 47.5 करोड़ की तुलना में वर्ष 2023-24 को 64.33 करोड़ की वृद्धि हुई है। 2017-18 से 2023-24 के दौरान, रोजगार में कुल वृद्धि, लगभग 16.83 करोड़ है।

रोजगार सृजन के साथ रोजगार क्षमता में सुधार, इनका मेल, सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए, भारत सरकार ने देश में, रोजगार सृजन के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।

विभिन्न मंत्रालयों/भारत सरकार के विभागों जैसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय, इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इत्यादि ने विभिन्न रोजगार सृजन योजनाओं/कार्यक्रमों को लागू कर रहे हैं जैसे प्रधानमंत्री का रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.पी.), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई), ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आर.एस.ई.टी.आई.), दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम), प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (पी.एम.एम.वाई.) इत्यादि, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय में वृद्धि सम्मिलित हैं। विभिन्न रोजगार सृजन की योजनाओं/कार्यक्रमों के ब्यौरे, जो भारत सरकार द्वारा लागू किए गए हैं, उसे https://dge.gov.in/dge/schemes_programmes पर देखा जा सकता है।

*****

अनुलग्नक

राज्य सभा के अतारांकित प्रश्न सं.- 401 जिसका उत्तर 25.07.2024 को देना बाकी है, उसके जवाब के भाग (क) से (च) तक से संदर्भित अनुलग्नक

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश वार 01.07.2020 से 11.12.2023 तक, कुल दर्ज रोजगार जो उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश वार	2020-21*	2021-22	2022-23	2023-24#
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	10226	173103	35592	9520
आंध्र प्रदेश	706476	1229335	2727273	1598371
अरुणाचल प्रदेश	14740	20199	35435	32249
असम	234445	557895	943939	907845
बिहार	695323	1443814	2166299	1548240
चंडीगढ़	104070	66292	67770	40443
छत्तीसगढ	282820	403313	555451	452901
दिल्ली	1341874	1195798	1229820	1448732
गोवा	65217	59302	82623	50569
गुजरात	2469241	2237463	2427935	1844628
हरियाणा	1287874	1175437	1254913	1003029
हिमाचल प्रदेश	141117	174319	197502	226212
जम्मू और कश्मीर	192401	385443	698293	491193
झारखंड	381519	678224	920574	514334
कर्नाटक	1965261	2748816	3539106	2817806
केरल	674861	763603	850494	554545
लद्दाख	5001	11462	13751	8763
लक्षद्वीप	220	805	1375	546
मध्य प्रदेश	823860	1378064	1800235	1392622
महाराष्ट्र	4458559	4553092	4878918	3299683
मणिपुर	91023	117974	146966	68364
मेघालय	7335	18903	31066	28666
मिजोरम	9465	20602	69204	38011
नागालैंड	7920	26051	46291	43433
ओडिशा	576349	945985	1289754	972269
पुदुचेरी	39423	55405	57244	59044
पंजाब	914119	935392	1158132	951000
राजस्थान	1538691	2438847	2812280	1869500
सिक्किम	3412	10451	15276	14379
तमिलनाडु	3335381	4052046	4645718	3929468
तेलंगाना	1650416	1972646	2673150	2484650
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	66758	47543	43127	29647
त्रिपुरा	15346	83788	179263	122348
उत्तर प्रदेश	2094443	2827572	4176199	4208349
उत्तराखंड	217124	397033	402063	290625
पश्चिम बंगाल	1109387	2023998	2927276	2296790
योग	**27531697**	**35230015**	**45100307**	**35648774**

स्रोत: एमएसएमई *आरंभ से 01.07.2020 से # 11.12.2023 तक